

शहरी सहकारी बैंकों में प्रशासन

प्रलिस के लिये:

[भारतीय रज़िर्व बैंक \(RBI\)](#), [शहरी सहकारी बैंक](#), [गैर-नषिपादति परसिंपततयिँ](#)

मेन्स के लिये:

सहकारी बैंकों की वशिषताएँ और चुनौतयिँ

[स्रोत: द हद्वि](#)

चर्चा में क्योँ?

हाल ही में [भारतीय रज़िर्व बैंक \(Reserve Bank of India- RBI\)](#) के गवर्नर ने [शहरी सहकारी बैंकों \(Urban Cooperative Banks- UCB\)](#) की चतिओँ को संबोधति कयिा तथा उनके प्रशासन को मज़बूत करने की आवश्यकता पर ज़ोर दयिा ।

- UCB कषेत्र में समग्र वतितयि सुधार के बावजूद इस कषेत्र की स्थरिता सुनश्चिति करने के लयिव्यक्तगित संस्थाओँ के कमज़ोर पकषों को सुदृढ़ बनाने की दशिा में प्रयास कयिे जाने की आवश्यकता है ।

शहरी सहकारी बैंकों (UCB) के संबंध में चतिाएँ:

- वतित की कमी:
 - कुछ शहरी सहकारी बैंक (UCB) वतित की कमी का सामना करते हैं, जैसे- कमपूँजीकरण, उच्च स्तर की गैर-नषिपादति परसिंपततयिँ (Non-Performing Assets- NPA) या अपर्याप्त भंडार, जो संभावति अस्थरिता का संकेत देते हैं ।
- शासन संबंधी मुद्दे:
 - मज़बूत प्रशासनकि व्यवस्था का अभाव UCB के प्रदर्शन और समग्रता में बाधा बन सकता है ।
 - कमज़ोर प्रशासन की वजह से बैंक के कुप्रबंधन, गैर-अनुपालन या नैतिक चतिाएँ उत्पन्न हो सकती हैं ।
- अनुपालन चुनौतयिँ:
 - अनुपालन संबंधी मुद्दों के कारण कुछ UCB को नयामक और कानूनी आवश्यकताओँ को पूरा करने के लयिे समस्याओँ का सामना करना पड़ सकता है ।
 - गैर-अनुपालन के परणामस्वरूप जुरमाना, कानूनी मुद्दों के साथ ही प्रतषिठा को नुकसान पहुँच सकता है ।
- जोखमि प्रबंधन:
 - वभिन्न जोखमिओँ को प्रभावी ढंग से पहचानने, आकलन करने तथा प्रबंधति करने की कुछ UCB की क्षमता को लेकर चतिाएँ मौजूद हैं ।
 - जोखमि प्रबंधन की कमयिँ के कारण अप्रत्याशति वतितयि हानयिा परचालन संबंधी व्यवधान उत्पन्न हो सकते हैं ।
 - ऋण जोखमि:
 - UCB के क्रेडिटि जोखमि प्रबंधन प्रथाओँ में सुधार करने की आवश्यकता है । इसमें ऋण हामीदारी मानकों (Loan Underwriting Standards), उधारकर्ता के प्रदर्शन की नगिरानी और गैर-नषिपादति ऋणों के नषिटान संबंधी मुद्दे शामिल हैं ।
 - तरलता जोखमि:
 - अपर्याप्त तरलता प्रबंधन से वतितयि दायतियों को पूरा करने में कठनिाई हो सकती है ।
- IT अवसंरचना और साइबर सुरकषा:
 - UCB को संवेदनशील डेटा और ससि्टम की सुरकषा के लयिे मज़बूत IT अवसंरचना और [साइबर सुरकषा](#) उपाय सुनश्चिति करना चाहयिे ।

UCB के लयिे RBI की सफिरशिँ:

- RBI ने UCB के नदिशकों को शासन प्रथाओं, विशेष रूप से अनुपालन, जोखिम प्रबंधन तथा आंतरिक लेखापरीक्षा जैसे तीन सहायक स्तंभों को मज़बूत करने का निर्देश दिया।
- RBI ने बोरडों से अधिक सक्रियता के साथ परसिंपत्ता देयता प्रबंधन और तरलता जोखिम को व्यवस्थित तरीके से प्रबंधित करने की आवश्यकता पर ज़ोर दिया।
- बोरडों की कार्य पद्धति हेतु RBI ने पाँच पहलुओं पर ज़ोर दिया-नदिशकों के पर्याप्त कौशल और विशेषज्ञता, एक पेशेवर प्रबंधन बोरड का गठन, बोरड के सदस्यों की विविधता और कार्यकाल, बोरड चर्चाओं की पारदर्शी और भागीदारी प्रकृति, एवं बोरड-स्तरीय समितियों की प्रभावी कार्यप्रणाली।
- RBI ने उन्हें नवीन लेखांकन प्रथाओं का उपयोग कर अपनी वास्तविक वित्तीय स्थिति को छपाने के प्रति आगाह/सावधान किया।
 - RBI ने उन्हें अपने व्यवसाय को बनाए रखने, बढ़ाने तथा ग्राहकों की सेवा करने के लिये उचित व्यावसायिक रणनीतियों को अपनाने एवं उपयुक्त प्रौद्योगिकी समाधान तलाशने के लिये प्रोत्साहित किया।

शहरी सहकारी बैंक (UCBs):

- सहकारी बैंक, वाणज्यिक बैंकों से भिन्न होते हैं और इनकी शुरुआत सहकारी ऋण समितियों की अवधारणा से हुई थी, जहाँ एक ऋण समिति के सदस्य एक-दूसरे को अनुकूल शर्तों पर ऋण देते थे।
- सहकारी बैंकों को उनके परिचालन क्षेत्र के आधार पर मोटे तौर पर शहरी और ग्रामीण सहकारी बैंकों में वर्गीकृत किया जाता है।
- UCBs को एकल-राज्य सहकारी बैंकों के मामले में सहकारी समितियों के राज्य रजिस्ट्रार (RCS) और बहु-राज्य सहकारी बैंकों के मामले में सहकारी समितियों के केंद्रीय रजिस्ट्रार (CRCS) तथा RBI द्वारा वनियमिति एवं पर्यवेक्षण किया जाता है।
 - परंतु वर्ष 2020 में सभी UCBs और बहु-राज्य सहकारी समितियों को RBI के पर्यवेक्षण के अंतर्गत लाया गया।
- वर्ष 2021 में RBI ने एक समिति नियुक्त की जिसने UCBs के लिये 4-स्तरीय संरचना का सुझाव दिया।
 - टियर 1: सभी यूनिट UCB और वेतन पाने वाले UCB (अनरिधारित जमा राशि) तथा अन्य सभी UCB जिनके पास 100 करोड़ रुपए तक जमा हैं।
 - टियर 2: 100 करोड़ रुपए से 1,000 करोड़ रुपए के बीच जमा राशि वाले UCB।
 - टियर 3: 1,000 करोड़ रुपए से 10,000 करोड़ रुपए के बीच जमा राशि वाले UCB।
 - टियर 4: 10,000 करोड़ रुपए से अधिक की जमा राशि वाले UCB।
- मार्च 2021 तक भारत में लगभग 1,539 UCB हैं। मार्च 2020 तक UCB का जमा आधार 5 लाख करोड़ रुपए और अग्रिम 3 लाख करोड़ रुपए से अधिक था।
 - उनकी बड़ी संख्या के बावजूद बैंकिंग क्षेत्र में UCB की बाज़ार हिस्सेदारी कम थी और लगभग 3% की गतिवृद्धि से घट रही थी। उनके पास जमा का 3.24% तथा अग्रिम का 2.69% हिस्सा था।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

प्रश्न. भारत में 'शहरी सहकारी बैंकों' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये: (2021)

1. राज्य सरकारों द्वारा स्थापित स्थानीय मंडलों द्वारा उनका पर्यवेक्षण एवं वनियमन किया जाता है।
2. वे इक्विटी शेयर और अधिमिन शेयर जारी कर सकते हैं।
3. उन्हें वर्ष 1966 में एक संशोधन द्वारा बैंकिंग वनियमन अधिनियम, 1949 के कार्य-क्षेत्र में लाया गया था।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 1 और 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर:(b)

व्याख्या:

- सहकारी बैंक वित्तीय संस्थाएँ हैं जो इसके सदस्यों से संबंधित हैं और एक ही समय में अपने बैंक के मालिक और ग्राहक हैं। वे राज्य कानूनों द्वारा स्थापित किये गए हैं।
- भारत में सहकारी बैंक सहकारी समिति अधिनियम के तहत पंजीकृत हैं। इन्हें RBI द्वारा भी वनियमिति किया जाता है और बैंकिंग वनियमन अधिनियम, 1949 तथा बैंकिंग कानून (सहकारी समितियों) अधिनियम, 1955 द्वारा शासित किया जाता है।
- सहकारी बैंक ऋण देने के साथ-साथ जमा भी स्वीकार करते हैं। इनकी स्थापना कृषि और संबद्ध गतिविधियों के वित्तपोषण एवं गाँव तथा कुटीर उद्योगों के वित्तपोषण के उद्देश्य से की गई है। राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) भारत में सहकारी बैंकों का शीर्ष निकाय है।
- बैंकिंग संबंधी कार्य जैसे नए बैंक/शाखाएँ शुरू करने के लिये लाइसेंस जारी करना, ब्याज दरों, ऋण नीतियों, नविश तथा पुरडेंशियल एक्सपोजर मानदंडों

से संबंधित मामलों को वर्ष 1966 में संशोधित बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 के प्रावधानों के तहत रज़िर्व बैंक द्वारा विनियमिती और पर्यवेक्षण किये जाता है। अतः कथन 3 सही है।

- शहरी सहकारी बैंकों को एकल-राज्य सहकारी बैंकों के मामले में सहकारी समितियों के राज्य रजिस्ट्रार और बहु-राज्य सहकारी बैंकों के मामले में सहकारी समितियों के केंद्रीय रजिस्ट्रार तथा भारतीय रज़िर्व बैंक द्वारा विनियमिती और अनुवीक्षण किये जाता है। अतः कथन 1 सही नहीं है।
- भारतीय रज़िर्व बैंक ने प्राथमिक UCB को इक्विटी शेयर, वरीयता शेयर और ऋण उपकरण जारी करने के माध्यम से पूंजी बढ़ाने की अनुमति देने वाले दिशा-निर्देशों का मसौदा तैयार किया।
 - UCB अपने परिचालन क्षेत्र के भीतर सदस्यों के रूप में नामांकित व्यक्तियों को इक्विटी जारी करके तथा मौजूदा सदस्यों को अतिरिक्त इक्विटी शेयर जारी कर शेयर पूंजी जुटा सकते हैं। अतः कथन 2 सही है।
 - इसलिये विकल्प (b) सही उत्तर है।

PDF Refernece URL: <https://www.drishtiiias.com/hindi/printpdf/governance-in-urban-cooperative-banks>

